KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 6

भक्ति-सूफी परंपराएँ

भाग - 3

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

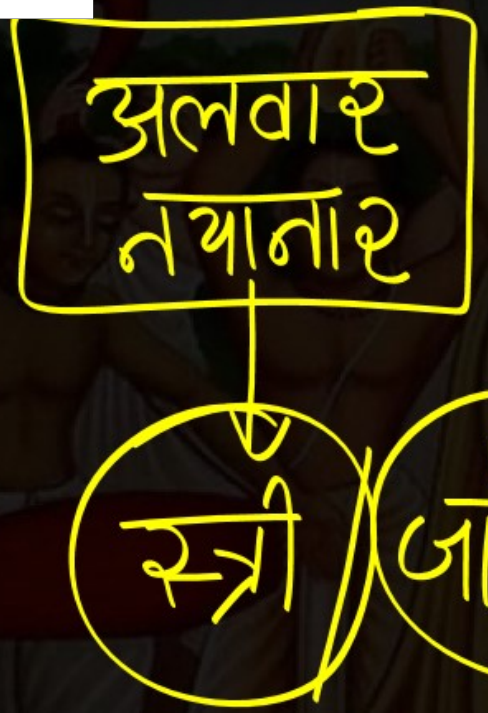

राज्य

राज्य के साथ संबंध :-

- प्रथम सहस्त्राब्दी ई. के उत्तरार्ध में तमिल क्षेत्र में कई राज्यों का उद्भव व विकास हुआ।
- जिनमें पल्लव और पांड्य राज्य शामिल थे।
- इस समय दक्षिण भारत में जैन व बौध धर्म मौजूद थे।
- इन धर्मो को व्यापारी व शिल्पी वर्ग का आश्रय प्राप्त था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

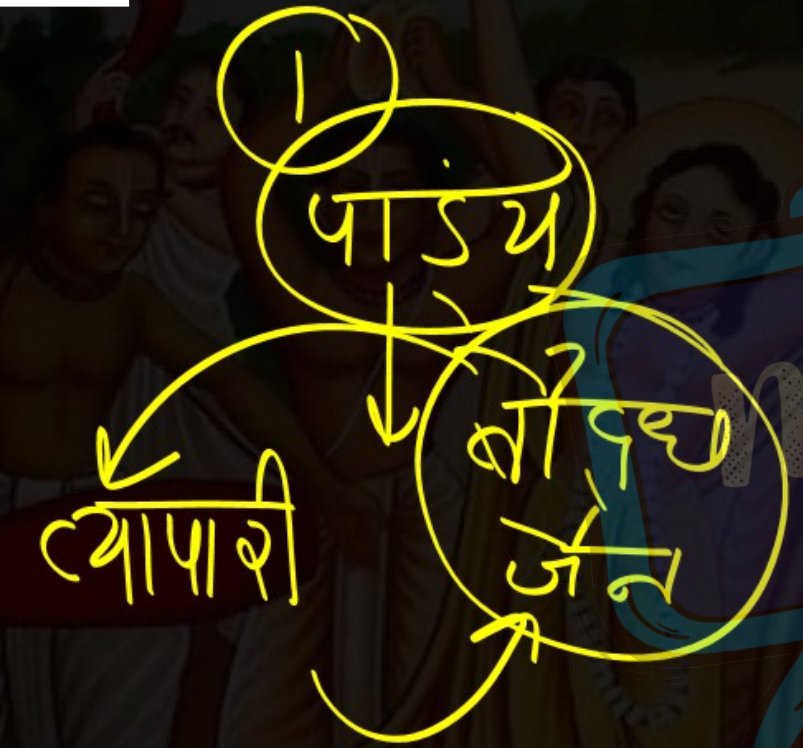

- इन धर्मों को राजकीय आश्रय, संरक्षण और अनुदान यदा-कदा ही प्राप्त होता था।
- तत्कालीन तमिल भक्ति रचनाओं की एक मुख्य विषय वस्तु बौध व जैन धर्म के प्रति उनका विरोध है।
- इतिहासकारों के अनुसार विरोध का मुख्य कारण धार्मिक समुदायों में राजकीय अनुदान को लेकर मुकाबला रहता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

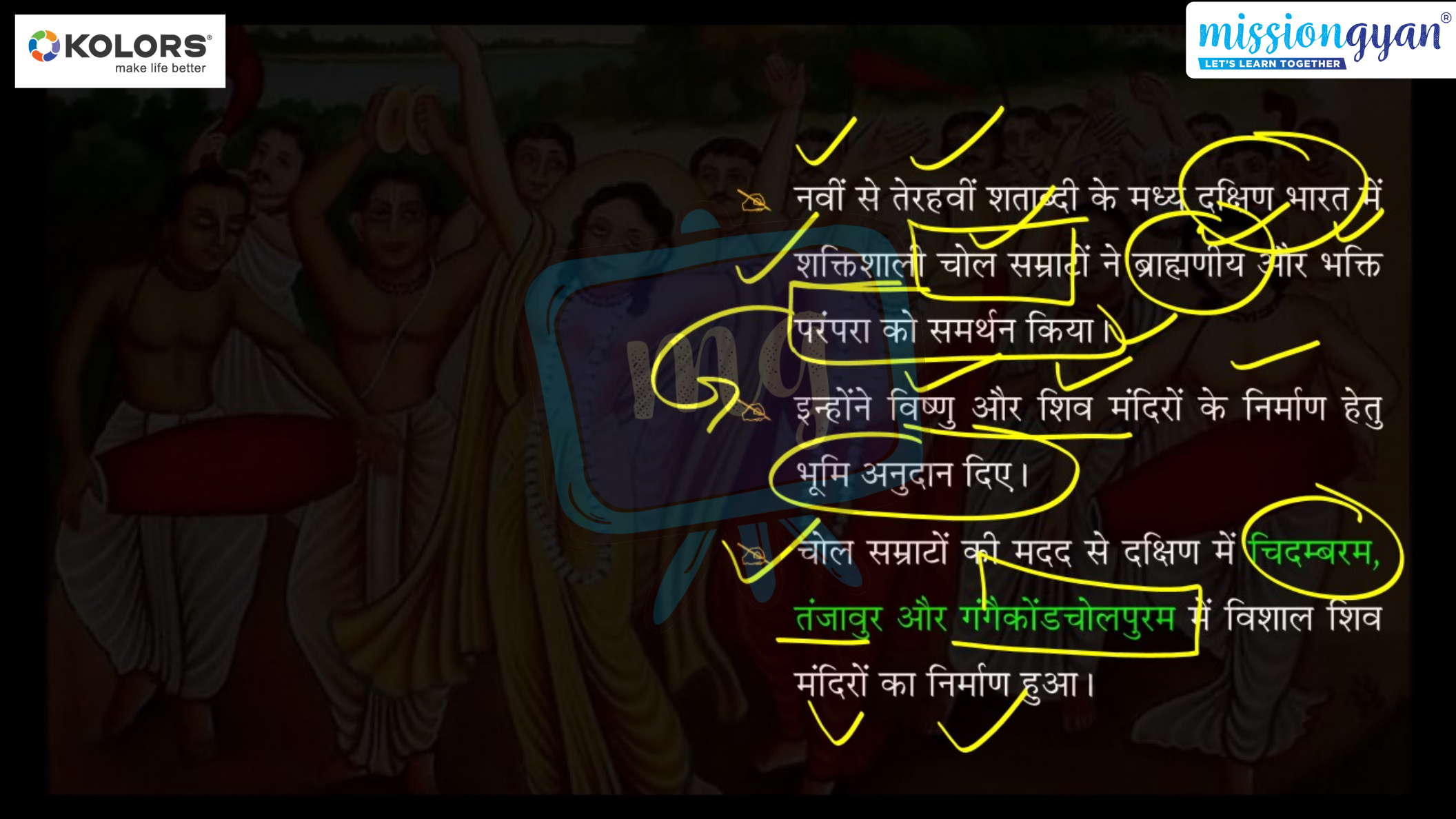

- नवीं से तेरहवीं शताब्दी के मध्य दक्षिण भारत में शक्तिशाली चोल सम्राटों ने ब्राह्मणीय और भक्ति परंपरा को समर्थन किया।
- इन्होंने विष्णु और शिव मंदिरों के निर्माण हेतु भूमि अनुदान दिए।
- चोल सम्राटों की मदद से दक्षिण में चिदम्बरम, तंजावुर और गंगैकोंडचोलपुरम में विशाल शिव मंदिरों का निर्माण हुआ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

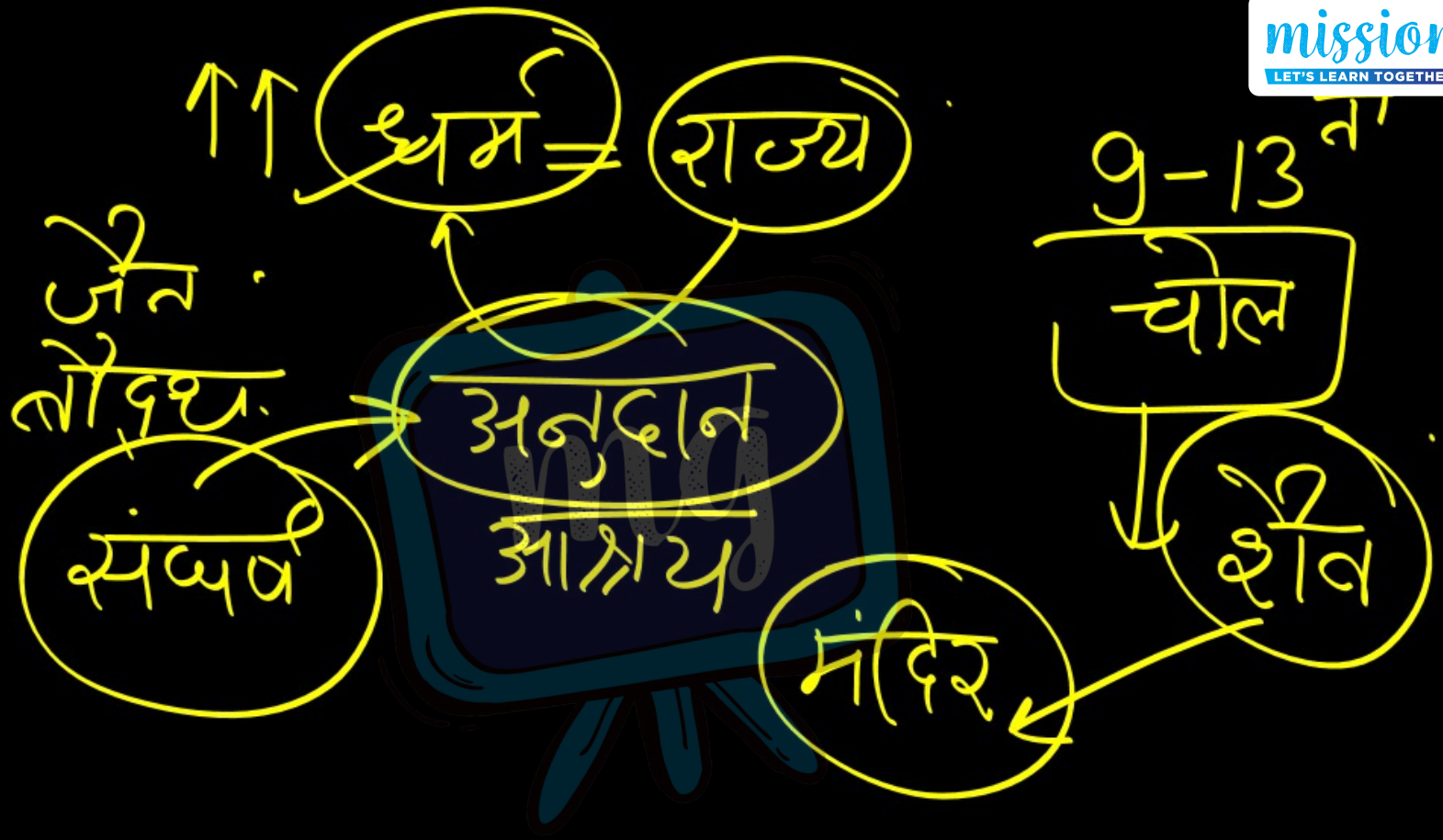

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



चिदम्बरम



तंजावुर



गंगैकोंडचोलपुरम

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चोल



- कांस्य से ढाली गई शिव प्रतिमाओं का निर्माण भी इसी काल में हुआ।
- दक्षिण में अलवार व नयनार संत, वेल्लाल कृषकों से सम्मानित होते थे।
- तत्कालीन शासकों ने इसी कारण से उनका समर्थन पाने का प्रयास किया।
- चोल सम्राटों ने दैवीय समर्थन या अंश होने का दावा किया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सत्ता के प्रदर्शन के लिए सुंदर मंदिरों का निर्माण करवाया।
- मंदिरों में सुन्दर पत्थर व धातुओं से सुसज्जित मूर्तियां स्थापित की।
- चोल सम्राट परांतक प्रथम ने संत कवि अप्पार सबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएँ एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई जिन्हें उत्सव में एक जुलुस में निकाला जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

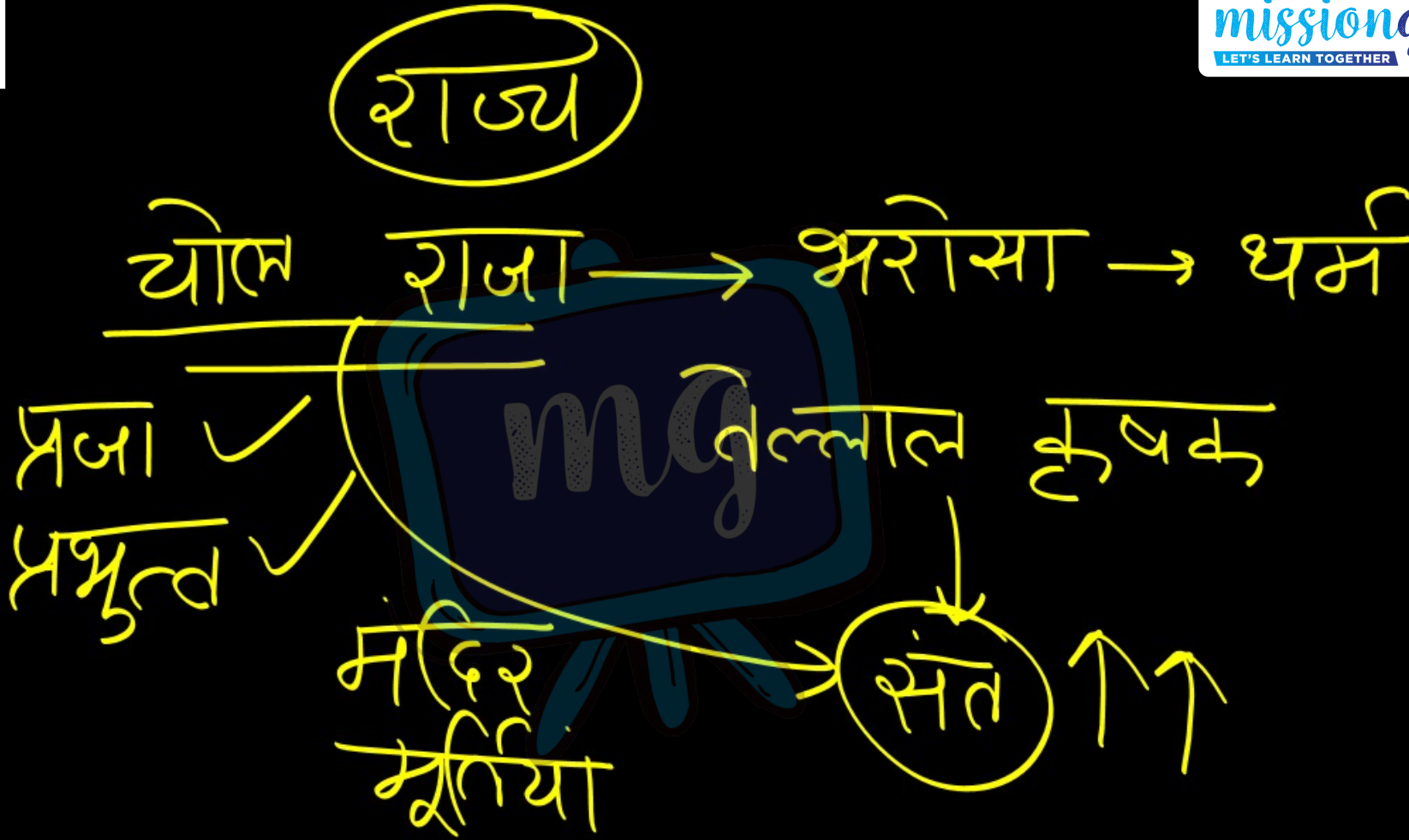

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षेत्र

- बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आन्दोलन का उद्भव हुआ।
- नेतृत्व :- बासवन्ना (1106-68) नामक ब्रह्मण के द्वारा किया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

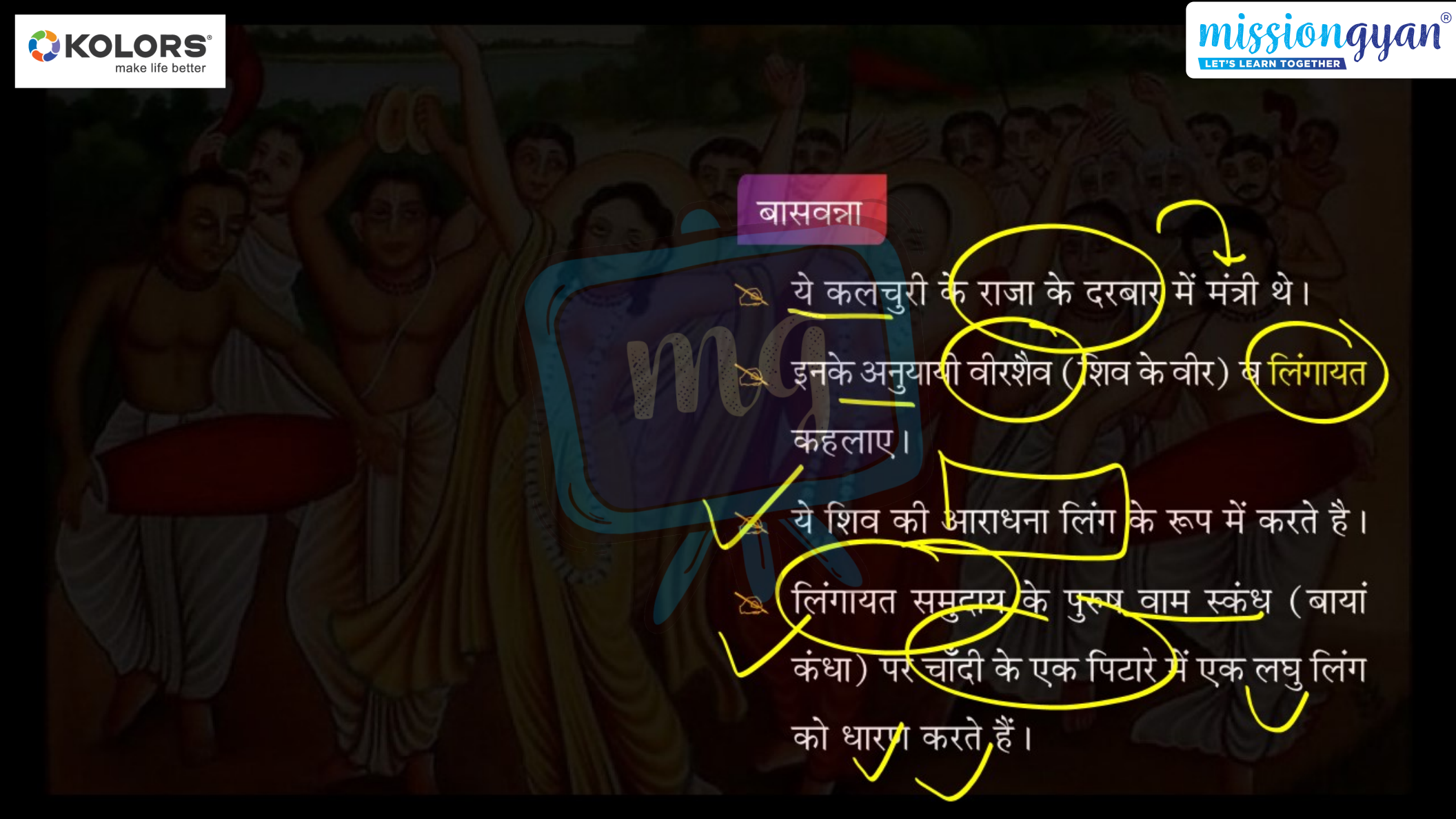

बासवन्ना

- ये कलचुरी के राजा के दरबार में मंत्री थे।
- इनके अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) व लिंगायत कहलाए।
- ये शिव की आराधना लिंग के रूप में करते है।
- लिंगायत समुदाय के पुरुष वाम स्कंध (बायां कंधा) पर चाँदी के एक पिटारे में एक लघु लिंग को धारण करते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

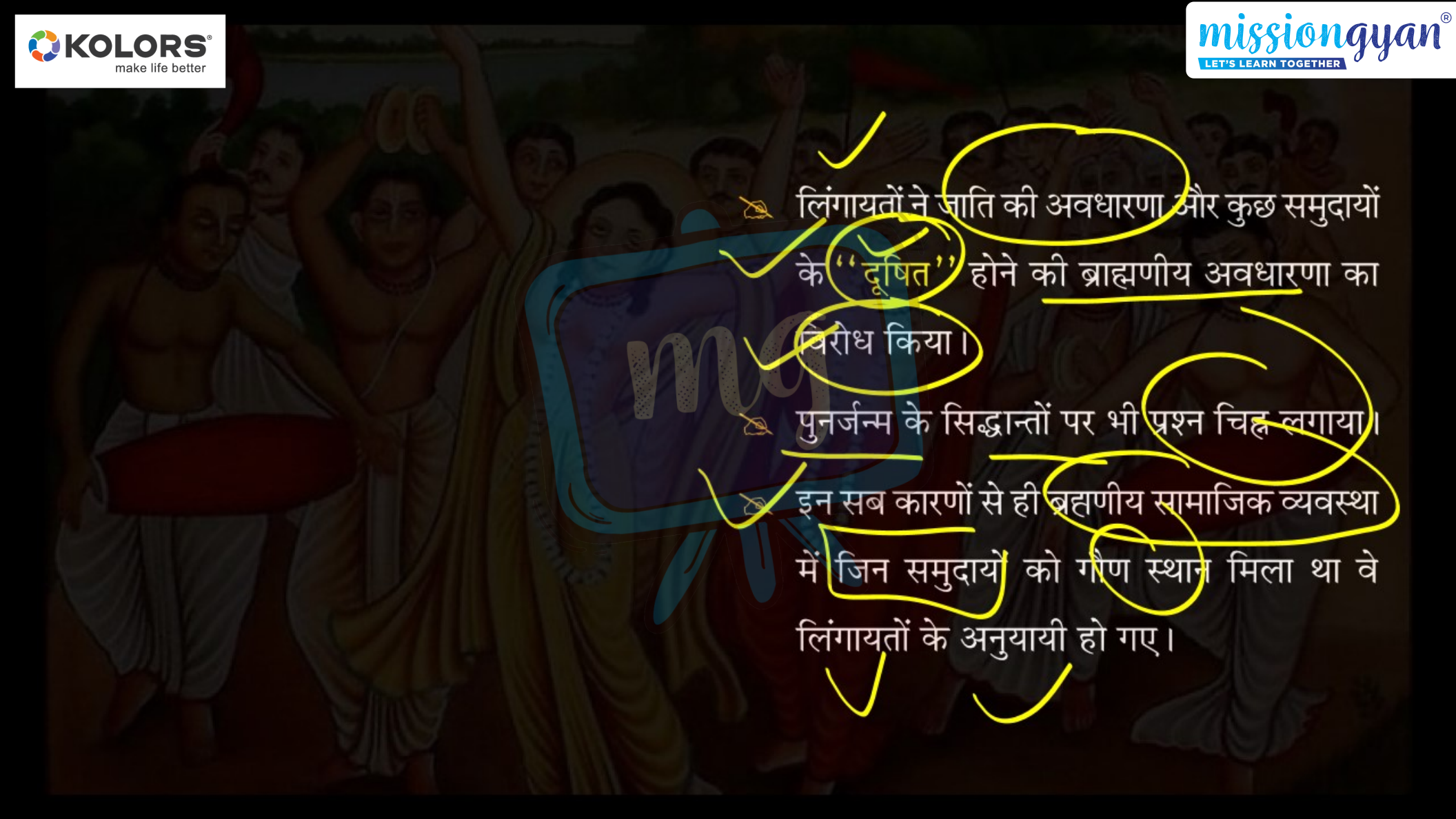

- लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और कुछ समुदायों के "दूषित" होने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया।
- पुनर्जन्म के सिद्धान्तों पर भी प्रश्न चिह्न लगाया।
- इन सब कारणों से ही ब्रह्मणीय सामाजिक व्यवस्था में जिन समुदायों को गौण स्थान मिला था वे लिंगायतों के अनुयायी हो गए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

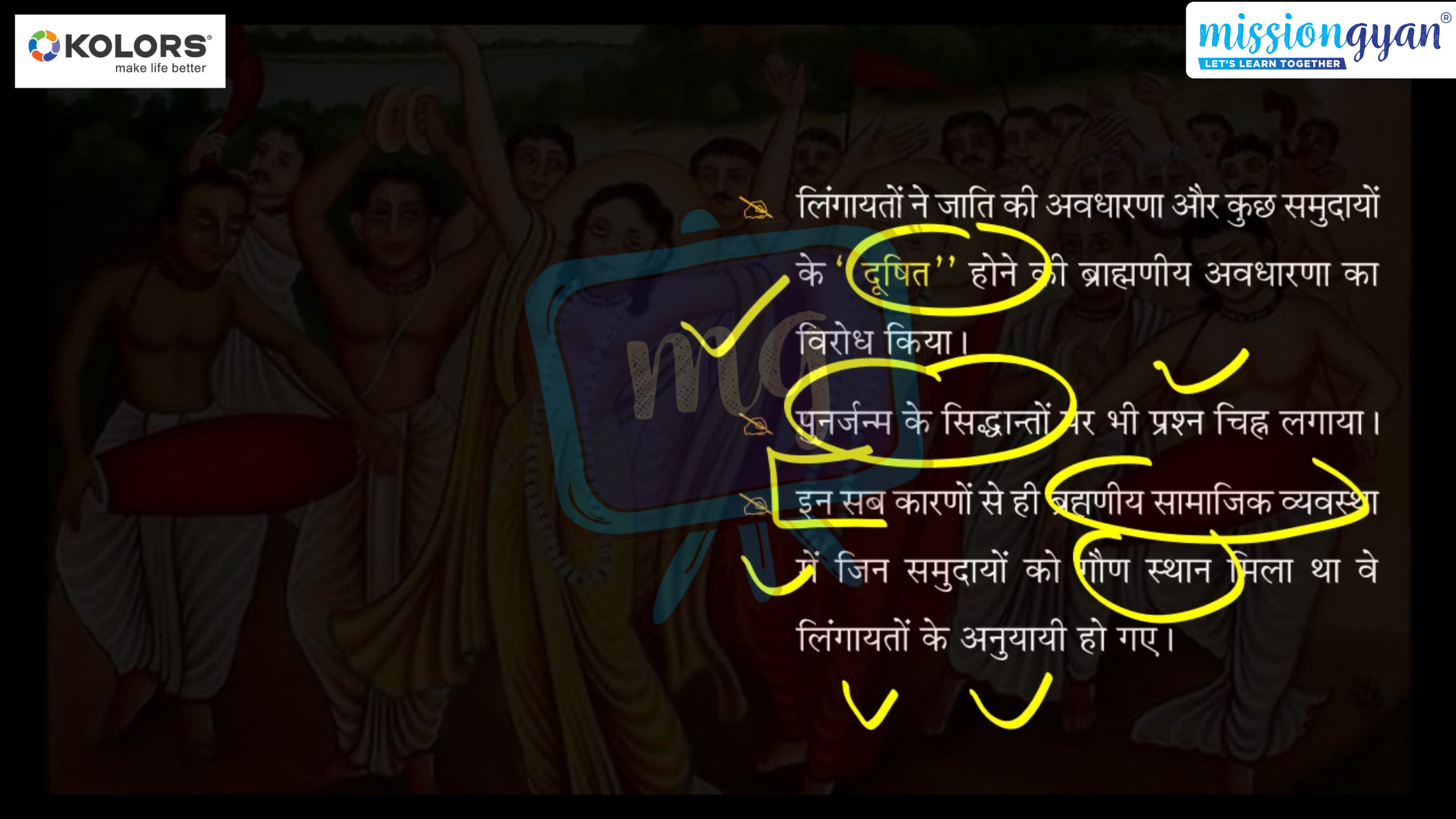

- लिंगायतों ने जाति की अवधारणा और कुछ समुदायों के ''दूषित'' होने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया।
- पुनर्जन्म के सिद्धान्तों पर भी प्रश्न चिह्न लगाया।
- इन सब कारणों से ही ब्रह्मणीय सामाजिक व्यवस्था में जिन समुदायों को गौण स्थान मिला था वे लिंगायतों के अनुयायी हो गए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

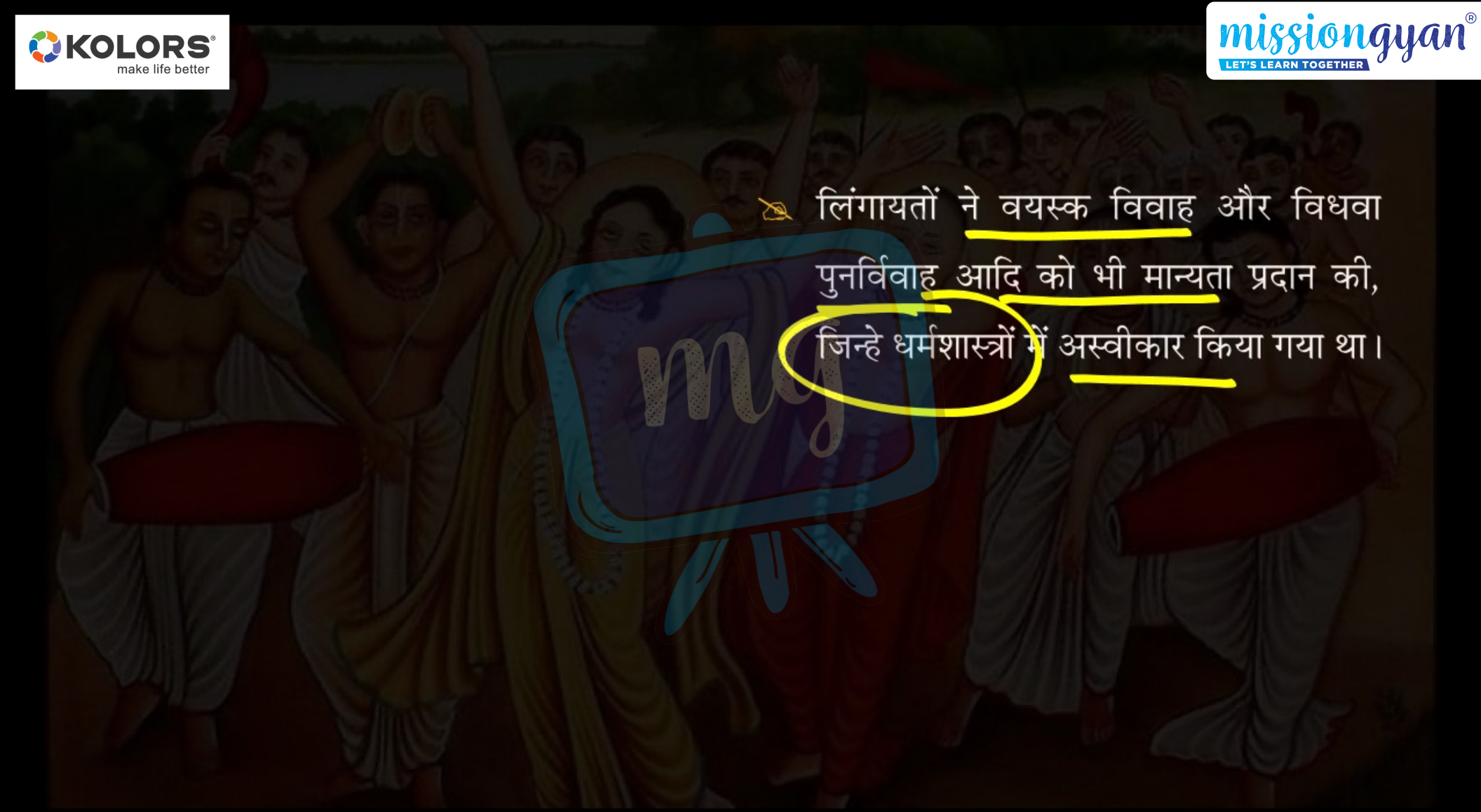

- लिंगायतों ने वयस्क विवाह और विधवा पुनर्विवाह आदि को भी मान्यता प्रदान की, जिन्हे धर्मशास्त्रों में अस्वीकार किया गया था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

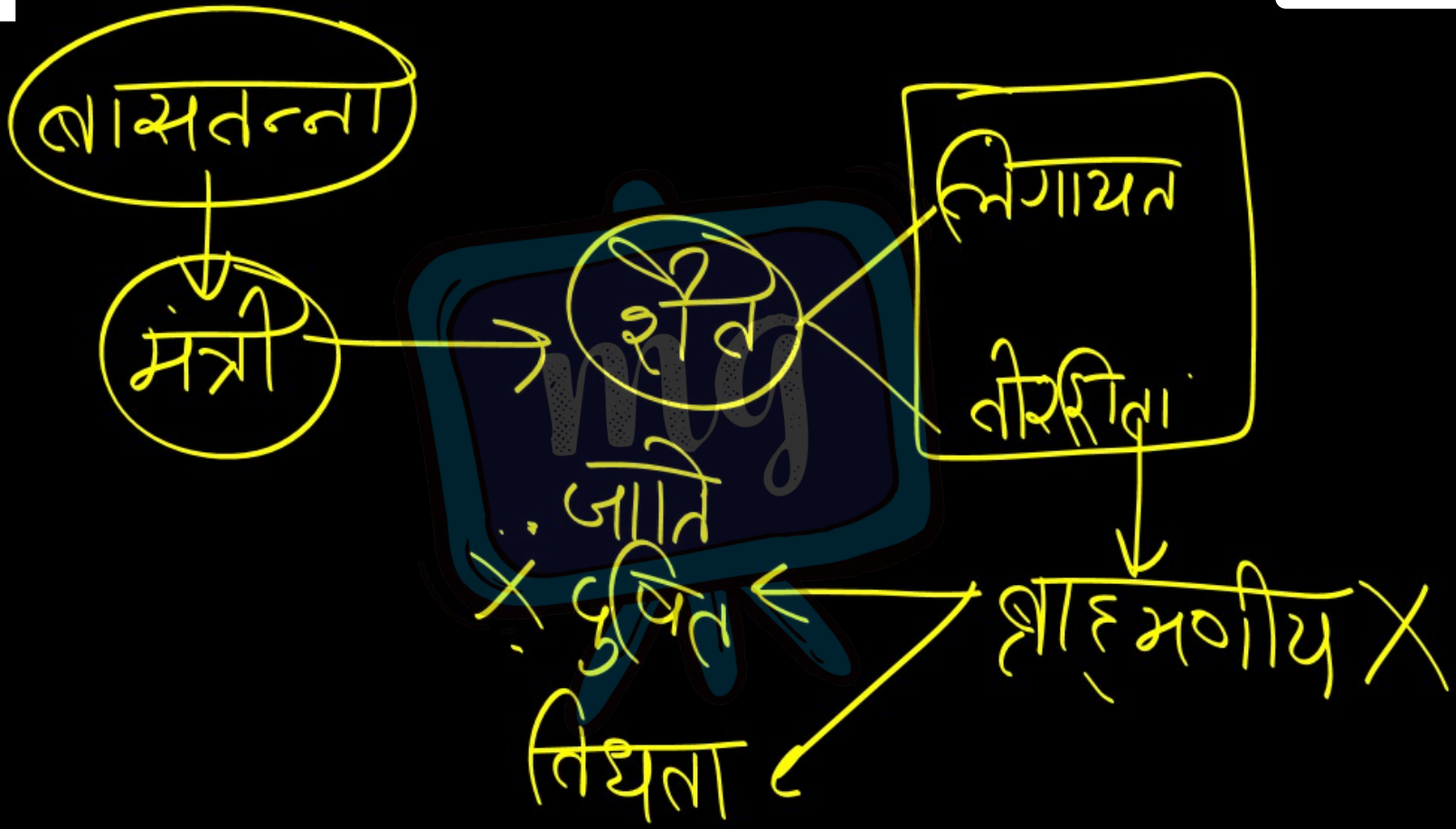

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अनुष्ठान और यथार्थ संसार

यह बासवन्ना द्वारा रचित एक वचन है:

जब वे एक पत्थर से बने सर्प को देखते हैं
तो उस पर दूध चढ़ाते हैं
यदि असली साँप आ जाए तो कहते हैं
"मारो-मारो"।
देवता के उस सेवक को, जो भोजन परोसने
पर खा सकता है वे कहते हैं "चले जाओ!
चले जाओ।"
किन्तु ईश्वर की प्रतिमा को जो खा नहीं
सकती, वे व्यंजन परोसते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दक्षिण

उत्तरी भारत में धार्मिक उफान

- 14 वीं शताब्दी तक उत्तरी भारत में अलवार और नयनार संतों की रचनाओं जैसा कोई ग्रन्थ प्राप्त नहीं हुआ।
- हालांकि उत्तरी भारत में भी विष्णु और शिव जैसे देवताओं की उपासना मंदिरों में की जाती थी।

इस भिन्नता की क्या वजह हो सकती है?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

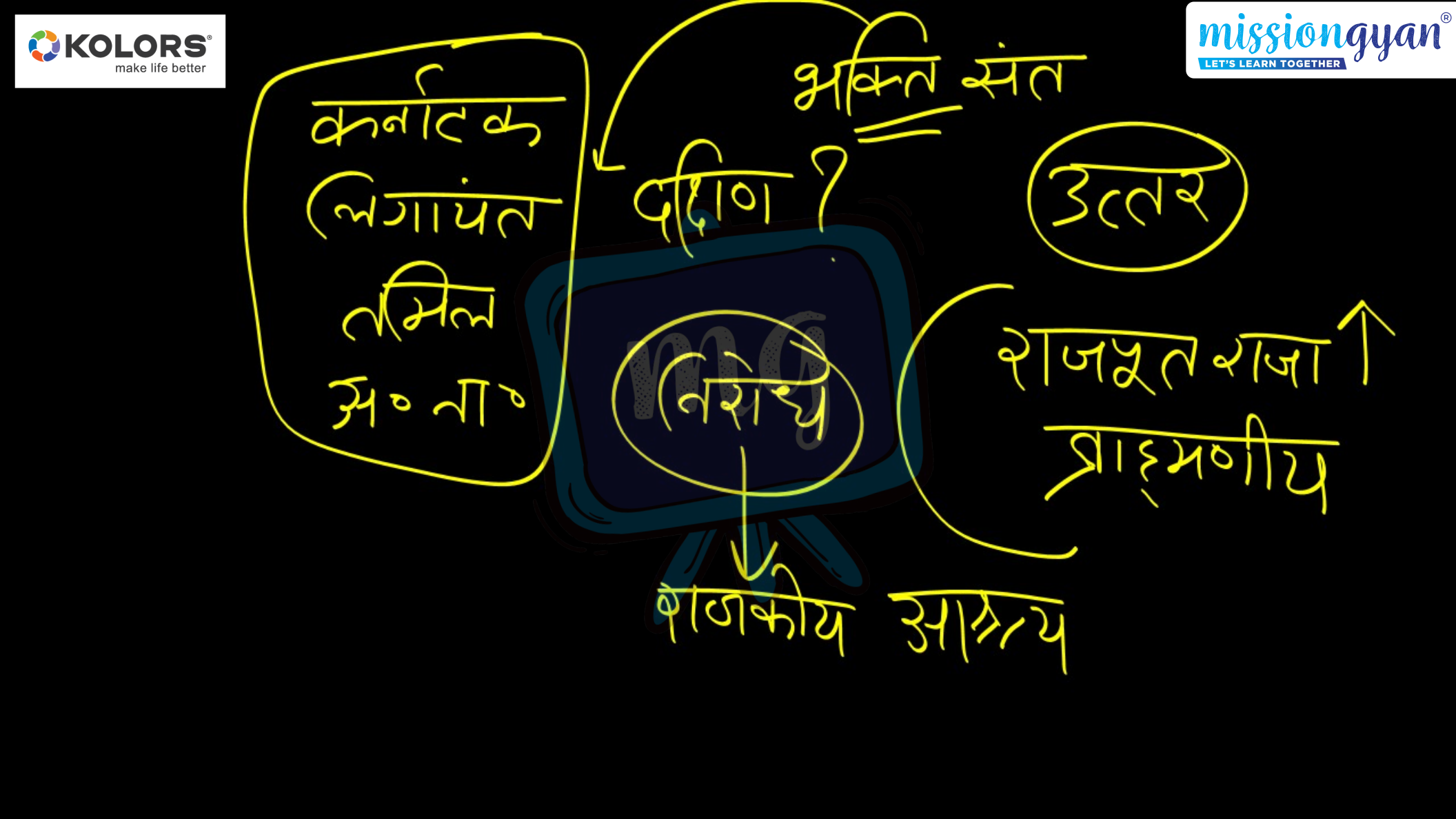

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. अलवार और नायानार संतो के शब्दों के साथ संबंध कैसे थे → शासक वर्ग?

Q. लिंगायत संप्रदाय पर एक लघुलेख लिखें?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजनैतिक
सामाजिक
धार्मिक

कुछ इतिहासकारों का मत है कि-

- उत्तरी भारत में यह वह काल था जब अनेक राजपूत राज्यों का उदय हुआ। इन सभी राज्यों में ब्रह्मणों का महत्त्वपूर्ण स्थान था और वे ऐहिक तथा आनुष्ठानिक दोनों ही कार्य करते थे।

ब्रह्मणों की इस प्रभुसत्ता को सीधे चुनौती देने का प्रयास शायद किसी ने नहीं किया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

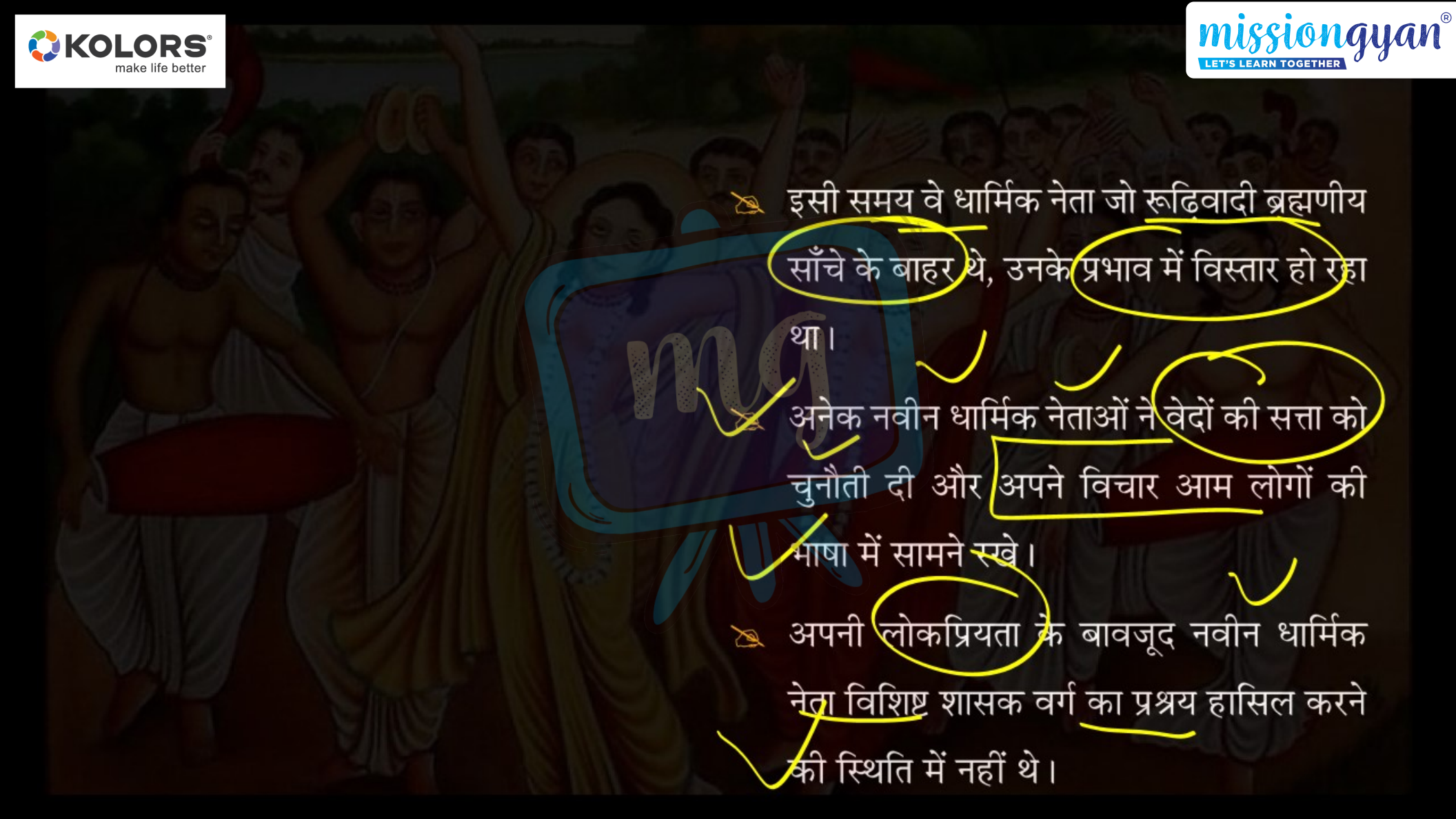

- इसी समय वे धार्मिक नेता जो रूढ़िवादी ब्रह्मणीय साँचे के बाहर थे, उनके प्रभाव में विस्तार हो रहा था।
- अनेक नवीन धार्मिक नेताओं ने वेदों की सत्ता को चुनौती दी और अपने विचार आम लोगों की भाषा में सामने रखे।
- अपनी लोकप्रियता के बावजूद नवीन धार्मिक नेता विशिष्ट शासक वर्ग का प्रश्रय हासिल करने की स्थिति में नहीं थे।